।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fortnightly

बात हिन्दुस्तान की

BAAT HINDUSTAN KI

विक्रम संवत 2082 फाल्गुन द्वादशी, 16 -31 मार्च 2026 (16-31 MARCH 2026), वर्ष -5 (Year - 5), अंक - 22, पृष्ठ - 4, मूल्य - ₹2, (Price - 2/-)

बंगाल में सबका साथ, सबका विकास और सबका होगा हिसाब : मोदी

बात हिंदुस्तान की, कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ममता बनर्जी सरकार व टीएमसी पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोलते हुए कहा कि घुसपैठियों की वजह से आज बंगाल की रोटी, बेटी व माटी तीनों पर सबसे बड़ा खतरा आया है।

विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले बंगाल दौरे पर आए पीएम ने कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में भाजपा की मेगा परिवर्तन रैली को संबोधित करते हुए टीएमसी सरकार पर वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया और चिंता व्यक्त की। मोदी ने कहा कि टीएमसी मां, माटी व मानुष के नारे पर 2011 में सत्ता में आई थी। आज वही मां यहां रो रही है, माटी को लूटा जा रहा है और बंगाली मानुष बंगाल छोड़ने पर मजबूर हो रहे हैं। इसका परिणाम आज सबके सामने है। बीते दशकों में बंगाल के ज्यादातर इलाकों में डेमोग्राफी बदल गई है और बंगाली हिंदुओं को अल्पसंख्यक बनाया जा रहा है।

पीएम ने कहा कि तुष्टीकरण का यहां ऐसा खुला खेल चल रहा है। टीएमसी हिंदुओं को अपना वोटबैंक नहीं समझती। इसलिए ये लोग एसआइआर का भी विरोध करते हैं ।ताकि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हट न जाएं। यहां तक कि जो लोग मर गए हैं उनका भी नाम मतदाता सूची से निकालने को ये लोग तैयार नहीं है।पीएम ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम लिए बिना उनके हालिया एक बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि बंगाल के हिंदुओं को खुलेआम धमकी दी जा रही है कि एक समुदाय आपको कभी भी खत्म कर देंगे। पीएम ने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा करोड़ों बंगाली हिंदुओं को खत्म करने की धमकी वाली बात शोभा नहीं देती। हालांकि 48 मिनट के भाषण में पीएम ने ममता का एक बार भी नाम नहीं लिया।अपराध व भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरते हुए पीएम ने कहा कि टीएमसी सरकार गुंडों व अपराधियों की बैशाखी पर चलती है और उन्हें खुलेआम संरक्षण देती है। पीएम ने लोगों से परिवर्तन का आह्वान करते हुए कहा कि बंगाल से इस निर्मम सरकार व महाजंगलराज का अंत होकर रहेगा। टीएमसी की गुंडागर्दी के दिन व इस निर्मम सरकार के जाने का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। भाजपा की सरकार बनने पर एक तरफ हम सबका साथ सबका विकास का मंत्र लेकर चलेंगे और दूसरी तरफ सबका (टीएमसी संरक्षित हर अपराधी व अत्याचारी का) चुन-चुन कर हिसाब भी लिया जाएगा। बंगाल में कानून का राज लौटेगा। भाजपा सरकार में हर अपराधी, हर घुसपैठिए और तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों को खौफ होगा, क्योंकि कानून अपना काम करेगा। ऐसे लोगों को मुंह छिपाने की जगह नहीं मिलेगी।मोदी ने कहा कि टीएमसी सरकार खुलेआम दुष्कर्मियों को संरक्षण देती है, अपराधियों को बचाने की कोशिश करती है। संदेशखाली की वह तस्वीरें और टीएमसी का रवैया और आरजी कर अस्पताल की उस डाक्टर बेटी के साथ हुई दरिंदगी बंगाल के लोग भूले नहीं है। टीएमसी खुलेआम अपराधियों के साथ खड़ी नजर आती है। इसी मानसिकता का परिणाम है आज महिलाओं के खिलाफ एसिड अटैक जैसे घिनोने अपराध भी सबसे ज्यादा बंगाल में हो रहे हैं। बंगाल को ऐसे हालात मंजूर नहीं है। पीएम ने लोगों से भाजपा को एक मौका देने की अपील करते हुए विश्वास दिलाया कि भाजपा सरकार में महिलाएं सुरक्षित होंगी और अपराधी जेल में होंगे, यह मोदी की गारंटी है। पीएम ने रैली में उमड़े जनसैलाब की ओर इशारा करते हुए कहा कि यहां से नए बंगाल की क्रांति का बिगुल बज गया है। बंगाल में बदलाव अब दीवारों पर भी लिख चुका है और लोगों के दिलों में भी छप चुका है। चुनाव से पहले भाजपा द्वारा बंगाल में एक से 10 मार्च तक आयोजित 5,000 किलोमीटर लंबी राज्यव्यापी परिवर्तन यात्रा का इस रैली के साथ समापन हुआ।

राष्ट्रपति के अपमान का बदला लेंगे बंगाल के लोग

पीएम ने हाल में बंगाल दौरे पर आईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के प्रोटोकाल उल्लंघन के मुद्दे पर भी घेरा। मोदी ने कहा कि बंगाल की निर्मम सरकार में सबसे ज्यादा प्रताड़ित यहां के दलित, आदिवासी और गरीब लोग हैं। कुछ दिन पहले राष्ट्रपति बंगाल आईं थीं, लेकिन अहंकार में डूबी इस निर्मम सरकार ने न केवल उस कार्यक्रम का बहिष्कार किया बल्कि बदइंतजामी के हवाले कर दिया। टीएमसी वालों को याद रखना होगा कि उन्होंने करोड़ो आदिवासियों, महिलाओं और संविधान का अपमान किया है और देश के सर्वोच्च पद को ठेस पहुंचाई है। टीएमसी को इसका जवाब आगामी चुनाव में बंगाल के लोगों से मिलेगा।पीएम ने कहा कि कोलकाता का ब्रिगेड परेड ग्राउंड का इतिहास साक्षी है कि जब-जब बंगाल देश को दिशा देता है, यह मैदान बंगाल की आवाज बनता है। इस मैदान से अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उठी आवाज हिंदुस्तान में क्रांति बन गई थी और उसका नतीजा क्या हुआ, अंग्रेजों के अत्याचार और लूट का खात्मा हुआ। आज यहां से नए बंगाल की क्रांति का बिगुल बज गया है। मोदी ने यह भी आरोप लगाया कि टीएमसी ने इस रैली में आने वाले सभी लोगों को चोर कहकर गाली दी। उन्होंने कहा कि असली चोर कौन है यह बंगाल की जनता जानती है। मोदी ने कहा कि अपनी कुर्सी जाते हुए देखकर यहां की निर्मम सरकार बौखला गई है।

पीएम ने रोजगार के मुद्दे पर घेरते हुए कहा कि टीएमसी सरकार ने बंगाल के युवाओं को पलायन का अभिशाप दिया है। बंगाल के युवा प्रतिभा व मेहनत में सबसे आगे हैं, लेकिन आज हालत क्या है? यहां का युवा न डिग्री ले पा रहा है और न ही उसे रोजगार मिल रहा है। पहले कांग्रेस, फिर वामपंथी और अब टीएमसी, ये लोग एक के बाद एक आते रहे और अपनी जेबें भरते रहे और बंगाल में विकास कार्य ठप रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार में नौकरियां खुलेआम बेची जा रही हैं, भर्तियों में घोटाले हो रहे हैं। अब समय आ गया है कि हालात बदलें। पीएम ने टीएमसी सरकार पर केंद्र की विभिन्न योजनाओं का नाम बदलने और इसके क्रियान्वयन में रोड़े अटकाने का भी आरोप लगाया। मोदी ने कहा

कि आप सबने देश भर में प्रधानमंत्री आवास योजना की सफलता के बारे में सुना है। गरीब परिवारों को पक्का घर मिल रहा है। लेकिन यहां क्या हुआ? योजना का नाम बदल दिया गया, लाभार्थियों की सूची में गड़बड़ की गई और जिन गरीबों को घर मिलना था वे आज भी इंतजार कर रहे हैं। केवल बिजली, पानी, सड़क, घर की बात नहीं है, टीएमसी सरकार अपनी राजनीति की वजह से आयुष्मान योजना को भी लागू नहीं कर रही है। टीएमसी को मरीजों से भी दुश्मनी है।

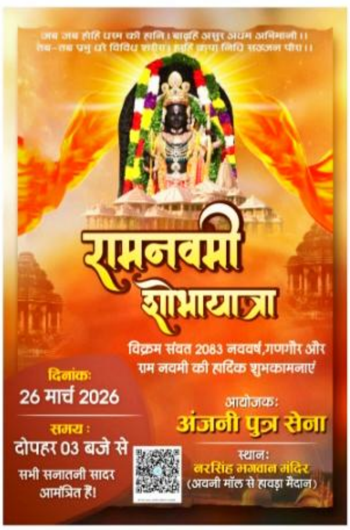

बंगाल सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा, बंगाल में दो चरणों में होगा मतदान

दिल्ली/ कोलकाता : केंद्रीय चुनाव आयोग ने बंगाल सहित चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी। इस घोषणा के साथ ही इन राज्यों में चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों की तारीख़ों के बारे में बताया। पश्चिम बंगाल में इस बार मात्र दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। 2021 में बंगाल में आठ चरणों में मतदान हुआ था।

असम, केरल और पुडुचेरी में एक चरण में 9 अप्रैल को मतदान होगा। वहीं तमिलनाडु में भी एक चरण में 23 अप्रैल को मतदान होगा।

इसके अलावा अलग-अलग राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल और 23 अप्रैल को उपचुनाव होंगे।

सभी राज्यों की विधानसभा सीटों और उपचुनाव की मतगणना 4 मई को होगी। 294 सीटों वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस पिछले 15 वर्षों से सत्ता में है और यहां बहुमत का आंकड़ा 148 सीटों का है। इस समय टीएमसी के पास 223 सीटें हैं। इस बार हो रहे विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ा सियासी मुक़ाबला इसी राज्य में माना जा रहा है। एक तरफ लगातार तीन बार चुनाव जीत कर सरकार बनाने वाली ममता बनर्जी हैं तो वहीं दूसरी तरफ अपनी पूरी ताक़त से राज्य की सत्ता हासिल करने की कोशिश में भाजपा लगी हुई है।

फ्री स्पोकन इंग्लिश कोर्स के नए सत्र 2026 का उद्घाटन मंत्री अरुप राय ने किया।

संजय कुमार सिंह,हावड़ा : मार्च, 2026 – बच्चों के उज्जवल भविष्य को लेकर, पश्चिम बंगाल के मंत्री अरुप राय ने रविवार, को "आइडियल एजुकेशन सेंटर" में "फ्री स्पोकन इंग्लिश कोर्स" के नए सत्र 2026 का शुभारंभ किया। मध्य हावड़ा के 511/ए, जी.टी. रोड (साउथ) हावड़ा-1 स्थित यह प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान 1999 में अपनी स्थापना के बाद से ही शैक्षणिक उत्कृष्टता का एक प्रमुख केंद्र रहा है। आयोजित समारोह में छात्रों की भारी भीड़ उमड़ी और बड़ी संख्या में छात्रों ने नामांकन कराया। "आइडियल एजुकेशन सेंटर" के संस्थापक व निदेशक मुश्ताक अहमद ने बताया, "मार्च 2023 में मंत्री अरुप राय द्वारा इस योजना की परिकल्पना की गई थी, जो तभी से उनकी देख-रेख में "आइडियल एजुकेशन सेंटर" द्वारा सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन छात्रों के बीच भाषाई अंतर को दूर करना है, जो अंग्रेजी में दक्षता की कमी के कारण अक्सर शैक्षणिक और व्यावसायिक क्षेत्र में चूक जाते हैं। इस योजना के तहत, छात्रों को पूरी तरह से निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, ताकि वे बेहतर संचार कौशल के साथ वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।"इस योजना की जिम्मेदारी शुरु से ही मंत्री अरुप राय द्वारा मुश्ताक अहमद को सौंपी गई है, जो इस नेक कार्य के प्रति लगातार प्रतिबद्ध रहे हैं। पिछले तीन वर्षों में, मंत्री अरुप राय के निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन से, सैकड़ों छात्रों को आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार होने में मदद की जा रही है।"वहीं मंत्री अरुप राय ने अपने संबोधन में छात्रों को पूरी निष्ठा और कड़े परिश्रम के साथ पढ़ाई करने और लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रेरित किया। साथ ही, उन्होंने छात्रों से परिवार व राष्ट्र का गौरव बढ़ाने का आह्वान करते हुए आश्वस्त किया कि वे उनके उज्ज्वल भविष्य और शैक्षणिक सफर में सदैव हर संभव सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे।इस दौरान, कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें अमित चटर्जी, अभिषेक चटर्जी, जमील अख़्तर, अरशद अली, जावेद इक़बाल, मनीषा मुखर्जी, श्री रामनाथ, इतु खान, खुर्शीद अनवर, मो. वसीम, मो. शमीम, मो. अली, अहमद अली, मो. कलीमुद्दीन, मो. सेराजुद्दीन, गोविंद, स्वेता सिंह, सोनू, तिलक दा, लिली, शंकर यादव, बप्पा दा, शौकत अली, अकबर अली शामिल थें।

अंजनी पुत्र सेना ने युवा पीढ़ी में सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए केरल स्टोरी-2 फिल्म युवतियों को देखने के लिए प्रोत्साहित किया

अजय कुमार झा, हावड़ा : अंजनी पुत्र सेना ने युवा पीढ़ी में सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए एक खास पहल की है। संगठन ने हावड़ा शहर के अलग-अलग इलाकों की करीब 250 युवा युवती,महिलाओं के साथ एक जागरूकता फिल्म की स्क्रीनिंग का आयोजन किया। प्रोग्राम का मुख्य मकसद युवाओं को मौजूदा समाज में हो रही अलग-अलग धोखाधड़ी और लालच के बारे में चेतावनी देना था। खासकर लव जिहाद को लेकर। संगठन के फाउंडर सेक्रेटरी सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि यह प्रोग्राम युवा महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए है। उनके शब्दों में, "हमारा मकसद सिर्फ एक है - कि समाज की लड़कियां अपने भविष्य के बारे में जागरूक हों। हम यह मैसेज देना चाहते हैं ताकि वे परिवार, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को महत्व देकर सही फैसला ले सकें।"

फिल्म देखने आईं हाउसवाइफ नीलम कुमारी प्रसाद ने कहा, "फिल्म देखने के बाद, हम समझ गए हैं कि ज़िंदगी में ज़रूरी फैसले लेने से पहले सावधान रहना कितना ज़रूरी है। युवा महिलाओं को अपनी सुरक्षा और भविष्य के बारे में और ज़्यादा जागरूक होने की ज़रूरत है।" वहीं, फिल्म देखने आई टीनेजर अंजलि गुप्ता ने कहा, "ऐसी पहल से युवतियों को सोचना आता है। समाज में कई तरह की घटनाएं हो रही हैं, इसलिए हमें सावधानी से आगे बढ़ना होगा।" आयोजकों का दावा है कि समाज के अलग-अलग लेवल पर जागरूकता लाने के लिए ऐसे प्रोग्राम आगे भी जारी रहेंगे। उनके मुताबिक, अगर युवा पीढ़ी शिक्षा, मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी को महत्व देगी, तभी एक स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है।

मंत्री अरुप रॉय ने संवाददाता सम्मेलन कर कहा, बंगाल में शांतिपूर्ण चुनाव मुमकिन नहीं

कौस्तभ घोष, हावड़ाः
शांतिपूर्ण चुनाव मुमकिन नहीं हैं। क्योंकि कई लोगों के नाम छूट गए हैं कई के नाम काटे गये है तो कईयों को मृत बताया गया है। राज्य मंत्री अरुप रॉय ने ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए ये बातें कहीं। बेलूर मठ आए चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार ने आज कहा कि इलेक्शन कमीशन डर-मुक्त और हिंसा-मुक्त चुनाव कराने के लिए पक्का इरादा रखता है। इसी को देखते हुए आज हावड़ा सदर तृणमूल कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मंत्री अरुप रॉय, सदर प्रेसिडेंट गौतम चौधरी और यूथ प्रेसिडेंट कैलाश मिश्रा मौजूद थे। एसआईआर में कई असली वोटर्स के नाम छूट गए थे। बेलूर मठ को पवित्र भूमि कहा जाता है। ज्ञानेश कुमार ने वहां खड़े होकर झूठ बोला है। इतने लोगों के नाम छूट गए हैं। असली वोटर्स के नाम छूट गए हैं तो निष्पक्ष चुनाव कैसे संभव है कैसे होगा। कई लोगों पर केस चल रहा है। ऐसे में फेयर चुनाव मुमकिन नहीं है। लोगों का वोटिंग राइट्स छीनकर कभी भी शांतिपूर्ण चुनाव मुमकिन नहीं है। इलेक्शन कमिश्नर BJP के इशारे पर काम कर रहे हैं, ऐसा तृणमूल का दावा है।

आरएन रवि ने बंगाल के 24वें राज्यपाल के रूप में ली शपथ

सोनू कुमार झा, कोलकाता : रवींद्र नारायण रवि (आरएन रवि) ने बंगाल के 24वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल ने लोक भवन में रवि (73) को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। रवि ने हिंदी में शपथ ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके मंत्रिमंडल के कई सहयोगी सहित विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी व अन्य विशिष्ट लोग शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित रहे। हालांकि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी समारोह से नदारद रहे। भारतीय खुफिया ब्यूरो (आइबी) के पूर्व प्रमुख और पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे रवि इससे पहले तमिलनाडु के राज्यपाल पद पर थे। उन्होंने बंगाल में डा सीवी आनंद बोस की जगह ली है, जिन्होंने बीते पांच मार्च को अचानक राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के कुछ देर बाद ही केंद्र सरकार ने रवि को बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया था। मूल रूप से के बिहार के पटना निवासी रवि भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) के अधिकारी रह चुके हैं।शपथ समारोह में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नए राज्यपाल रवि को शुभकामनाएं देते हुए उनसे कहा कि बंगाल उससे ही मोहब्बत करता है जो बंगाल से मोहब्बत करता है।

तीन अप्रैल 1952 को बिहार की राजधानी पटना में जन्मे रवींद्र नारायण रवि ने भौतिकी में मास्टर्स की डिग्री हासिल की है। शुरुआत में कुछ समय पत्रकारिता करने के बाद उन्होंने 1976 में भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) ज्वाइन की और उन्हें केरल कैडर मिला। रवि कोई आम पुलिस अधिकारी नहीं रहे। उन्होंने देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसियों सीबीआइ और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आइबी) में दशकों तक काम किया है। आइबी में रहते हुए वे जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर के विद्रोही गुटों और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के मामलों के सबसे बड़े विशेषज्ञ माने जाते थे। 2012 में रिटायरमेंट के बाद 2014 में उन्हें ज्वाइंट इंटेलिजेंस कमेटी का चेयरमैन बनाया गया। 2018 में उन्हें मोदी सरकार ने देश का उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी एनएसए) बनाया।

मधुबनी के अंधराठाढ़ी गाम में भामती वाचस्पति महोत्सव–2026 के परिचर्चा सत्र का दीप प्रज्जवलित कर शुभ आरमभ किया गया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मधुबनी में जिलाधिकारी, आनंद शर्मा ने कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया।

बात हिंदुस्तान की, ब्यूरो रिपोर्ट, मधुबनी जिलाधिकारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस यह संकल्प का दिन है और हम सभी संकल्प तभी ले पाएंगे जब हम सभी इतिहास में झांकेंगे। पहले कृषि प्रधान समाज में जितने बच्चे होंगे, उतना बच्चा जमीन पर कार्य करेगा। जिससे घर मे खुशहाली आयेगी। इसीलिए बच्चो को जन्म देना और पालन पोषण करना ही उद्देश्य था।

जब औद्योगिक विकास हुआ तब औद्योगिक समाज मे मशीन के द्वारा काम होने पर मशीन महिला चलाये या पुरुष उत्पादन समान ही होने लगा। नौकरीपेशा समाज मे आपकी विद्वता, आपका मैरिट महत्व रखता है। जिसके कलम में जितनी ताकत होगा, वही सक्षम है। ताकत कलम के आधार पर आ गयी तो महिला-पुरुषों में समानता आ गयी। अब यह निर्भर करता है कि कौन कितनी शिद्दत से पढ़ाई या अपने कार्यो को करता है,उसी से उसकी पहचान बनता है। वर्तमान समय मे बच्चो के पालन-पोषण का कार्य भी दोनों समान रूप से कर रहे है।

उन्होंने कहा कि उनके नजर में ऑफिसर ऑफिसर होता है महिला और पुरुष नही होता है। डॉक्टर डॉक्टर होता है महिला-पुरुष नही होता है। वकील वकील होता है, महिला-पुरुष नही होता है। आप कितने शिद्दत से अपने कार्यो को करते है यह मायने रखता है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वे अपनी टीम के सभी पदाधिकारियों को समान रूप से कार्य पूर्ण नही होने पर डांटते है एवं समान रूप से सम्मानित भी करते है। महिला-पुरुष जैसा कोई भेद नही करते है। इसी का परिणाम है कि बिहार विधानसभा 2025 में मतदान कर्मियों की कमी को देखते हुए उनके द्वारा पुरानी परंपरा को तोड़ते हुए महिला कर्मियों को निर्वाचन कार्य मे लगाया गया। जिसका सुखद परिणाम यह हुआ कि मधुबनी जिला को पहली बार देश के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा मेडल प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस उपाधीक्षक रश्मि ने सरकार की महिला सशक्तिकरण योजनाओं पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि आज हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।

हावड़ा के घुसड़ी श्याम मंदिर में होली खेलते भक्तों की अपार भीड़

रतुल घोष, हावड़ा: होली है होली के शुभ अवसर पर हावड़ा के घुसूरी धाम श्याम मंदिर में रंगों की होली खेलते नजर आए भक्तगण। जहां हजारों की संख्या में पहुंचे श्याम भक्त श्याम के रंग में रंग नजर आए एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर होली मनाते दिखे वहीं फूलों की होली और सुख गुलाल की होली भी खेलते दिखे लोग।

बिहार में नए मुख्यमंत्री को लेकर अटकलें तेज, शिवानंद तिवारी के बयान से सियासत गरम

एनडीए में संभावित बदलाव की चर्चा

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति इन दिनों नए मोड़ पर खड़ी नजर आ रही है। मुख्यमंत्री पद को लेकर सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की प्रक्रिया में आने के बाद से ही सवाल उठने लगे हैं कि उनके बाद बिहार की कमान किसके हाथ में होगी। इस बीच वरिष्ठ समाजवादी नेता शिवानंद तिवारी के एक बयान ने राजनीतिक हलचल और बढ़ा दी है।

दरअसल, शिवानंद तिवारी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर दावा किया है कि नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना लगभग तय माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता है तो बिहार का अगला मुख्यमंत्री भाजपा से हो सकता है। तिवारी के मुताबिक भाजपा में जिस नेता का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है, वह सम्राट चौधरी हैं। तिवारी ने पोस्ट करते हुए कहा, कि भाजपा ने पहले की तुलना में संगठन और सरकार में सम्राट चौधरी की भूमिका को काफी मजबूत किया है। फिलहाल वे बिहार सरकार में उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का भी मानना है कि पार्टी के भीतर उनकी पकड़ मजबूत है और केंद्रीय नेतृत्व का भी उन पर भरोसा दिखाई देता है। हाल ही में उन्हें दिल्ली बुलाए जाने की खबरों ने भी इस चर्चा को और बल दिया है।

शिवानंद तिवारी ने बिहार की राजनीति के सामाजिक समीकरणों का जिक्र करते हुए कहा कि 1990 के दशक में जब लालू प्रसाद यादव से राजनीतिक रास्ते अलग हुए तो नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडीज ने मिलकर समता पार्टी बनाई थी। उस समय यादव-मुस्लिम समीकरण के मुकाबले एक नया सामाजिक गठबंधन तैयार करने की जरूरत थी। इसी दौर में 'लव-कुश' यानी कुर्मी और कुशवाहा समुदाय का राजनीतिक समीकरण सामने आया, जो आगे चलकर नीतीश कुमार की राजनीति का मजबूत आधार बना।

हाल के दिनों में नीतीश कुमार की 'समृद्धि यात्रा' के दौरान भी कुछ राजनीतिक संकेत देखने को मिले हैं। कई कार्यक्रमों में सम्राट चौधरी उनके साथ प्रमुख रूप से नजर आए। पूर्णिया के एक कार्यक्रम में नीतीश कुमार द्वारा सम्राट चौधरी के कंधे पर हाथ रखकर उन्हें आगे बढ़ने की घटना को भी राजनीतिक विश्लेषक प्रतीकात्मक संकेत के तौर पर देख रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक जानकार कह रहे है कि यदि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद छोड़ते है तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए के भीतर नई सत्ता व्यवस्था बन सकती है और मुख्यमंत्री पद भाजपा के हिस्से में जा सकता है। हालांकि पार्टी के अन्य नेताओं, जैसे नित्यानंद राय का नाम भी समय-समय पर चर्चा में आता रहा है, लेकिन फिलहाल सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे माना जा रहा है। फिलहाल राज्यसभा चुनाव और आने वाले राजनीतिक घटनाक्रम पर सबकी नजर टिकी हुई है। अंततः यह तय है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार की राजनीति में एक बड़े बदलाव की शुरुआत होगी।

बीजेपी तमिलनाडु में चुनाव से पहले टीवीके को एनडीए गठबंधन में चाहती है जोड़ना

-एक राज्य के डिप्टी सीएम को बनाया बिचौलिया, विजय चाहते हैं सीएम बनना

नईदिल्ली (एजेंसी) तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी और टीवीके के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत आखिरी दौर में है। बीजेपी की कोशिश है कि अभिनेता विजय की पार्टी को एनडीए के साथ जोड़ा जाए। इसके लिए पार्टी कई रास्तों से विजय से संपर्क कर रही है, जिसमें दूसरे राज्य के एक उपमुख्यमंत्री को बिचौलिया बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट में बीजेपी सूत्रों के हवाले से बताया कि विजय को एक बड़ा ऑफर दिया गया है। अगर गठबंधन चुनाव जीतता है, तो विजय को उपमुख्यमंत्री का पद मिल सकता है।

साथ ही सीटों के बंटवारे को लेकर बीजेपी ने उनकी पार्टी को करीब 80 सीटें देने का प्रस्ताव रखा है। पेंच अभी इस बात पर फंसा है कि विजय खुद सीएम बनना चाहते हैं और इसी मुद्दे पर बातचीत अटकी है। रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी को लगता है कि विजय के प्रशंसकों की भारी संख्या तमिलनाडु चुनाव में खेल कर सकती है। रणनीतिकारों का मानना है कि राज्य के कड़े मुकाबले में अगर सिर्फ 2 फीसदी वोट भी इधर-उधर होते हैं, तो जीत-हार का फैसला बदल सकता है। विजय के आने से बीजेपी को राज्य के चुनावी समीकरण अपने पक्ष में मुड़ने की उम्मीद है। दूसरी ओर विजय के करीबी सलाहकारों में इस गठबंधन को लेकर थोड़ी बेचैनी है। उन्हें डर है कि इतनी जल्दी किसी बड़े राष्ट्रीय गठबंधन का हिस्सा बनने से उनकी पार्टी की साख पर बुरा असर पड़ सकता है। विजय ने राजनीति में अपनी पहचान एक नए और स्वतंत्र विकल्प के रूप में बनाई है। सलाहकारों को चिंता है कि बीजेपी से हाथ मिलाने पर उनकी यह अलग पहचान कहीं फीकी न पड़ जाए।

युद्ध संकट के चलते यूएई जाने वाली एअर इंडिया की दर्जनों उड़ानें रद्द, यात्री परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में गहराते युद्ध के संकट ने अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई देशों द्वारा अपने वायु क्षेत्र (एयरस्पेस) को बंद करने और सुरक्षा कारणों से लगाई गई पाबंदियों का सीधा असर वैश्विक उड़ानों के शेड्यूल पर पड़ा है। इसी क्रम में, संयुक्त अरब अमीरात के एयरपोर्ट अथॉरिटी द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के बाद एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी उड़ानों में भारी कटौती की घोषणा की है। 15 मार्च 2026 के लिए निर्धारित कई एड-हॉक उड़ानों को अचानक रद्द करना पड़ा है, जिससे भारत और यूएई के बीच यात्रा करने वाले सैकड़ों यात्री विभिन्न हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। एअर इंडिया के अनुसार, दुबई एयरपोर्ट अथॉरिटी के निर्देशों के कारण परिचालन को सीमित करना अनिवार्य हो गया है। दिल्ली-दुबई मार्ग पर एअर इंडिया की पांच में से चार निर्धारित उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और अब केवल एक ही रिटर्न फ्लाइट संचालित होगी। एअर इंडिया एक्सप्रेस की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है, जहां दुबई के लिए छह में से पांच और अबू धाबी के लिए निर्धारित सभी पांचों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। शारजाह और रास अल खैमाह के लिए दिल्ली, कोच्चि, मुंबई और तिरुवनंतपुरम जैसे शहरों से कुछ सीमित उड़ानें संचालित करने की योजना है, लेकिन कंपनी ने स्पष्ट किया है कि ये भी स्लॉट की उपलब्धता और तत्कालीन सुरक्षा स्थितियों पर निर्भर करेंगी। एयरलाइन ने यात्रियों को सख्त हिदायत दी है कि वे घर से निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच अवश्य कर लें। युद्ध के कारण बिगड़ते हालात ने न केवल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ाई हैं, बल्कि खाड़ी देशों के बीच हवाई किराए में भी उछाल आने की आशंका बढ़ गई है।

ट्रक से टकराई कार की टक्कर लगने से पदयात्रा कर रहे 21 वर्षीय जैन भिक्षु की मौत

-जैन समाज में शोक व्याप्त, मृतक को न्याय दिलाने की मांग

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर पालघर जिले के पास रविवार तड़के एक सड़क हादसे में पदयात्रा पर निकले 21 साल के जैन भिक्षु नम्ररत्न विजय महाराज की मौत हो गई। यह दुर्घटना भालीवली गांव के पास उस समय हुई जब तेज रफ्तार कार के चालक ने पीछे से आए ट्रक की टक्कर के बाद नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे पैदल चल रहे भिक्षु नम्ररत्न को टक्कर मार दी।

पुलिस के मुताबिक नम्ररत्न विजय महाराज अपने साथियों के साथ पदयात्रा करते हुए सफाले के प्रतापगढ़ सतीवली से विरार के आगे स्थित महावीरधाम शिरसाड की ओर जा रहे थे। सुबह करीब 5:15 बजे जब वे भालीवली पुल के पास पहुंचे, तभी गुजरात की ओर से आ रही कार को पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कार चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे सड़क किनारे चल रहे जैन भिक्षु से जा टकराई। घायल भिक्षु को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। नम्ररत्न विजय महाराज मूल रूप से गुजरात के निवासी थे और उनके निधन से जैन समुदाय में शोक की लहर है। शुरुआती जांच में पता चला है कि कार चालक मानसूर निवासी आकाश ईश्वर आनंदकर है, जबकि ट्रक चालक सूरत का रहने वाला राजू सिंह तोमर है। दोनों चालकों को नोटिस जारी कर पुलिस के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना वाहन चालकों की लापरवाही और तेज गति से गाड़ी चलाने के कारण हुई। मामले की जांच जारी है। इस दुखद घटना के बाद जैन समाज में गहरा शोक व्याप्त है। स्थानीय जैन समुदाय के सदस्यों ने मृतक को न्याय दिलाने की मांग की है। नम्ररत्न विजय महाराज ने 2020 में धर्मसूरी संप्रदाय में दीक्षा ली थी।

पाली में हाईटेंशन लाइन टूटने से 57 भेड़-बकरियों की मौत, पशुपालकों में मचा हड़कंप

पाली (एजेंसी)। राजस्थान के पाली जिले के बाली उपखंड के नाना थाना क्षेत्र में रविवार को एक गंभीर हादसा हुआ। भीमाना गांव की ग्राम फली में हाईटेंशन विद्युत लाइन का तार अचानक टूटकर जमीन पर गिर गया। इस दौरान पास ही चर रही भेड़-बकरियों में से 57 की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार घटना उस समय हुई जब स्थानीय पशुपालक अपने मवेशियों को चराने ले गए थे। अचानक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर नीचे गिरा और उसमें प्रवाहित करंट के कारण भेड़-बकरियां इसकी चपेट में आ गईं। तेज करंट लगने से अधिकांश भेड़-बकरियां मौके पर ही दम तोड़ गईं। हादसे के समय वहां मौजूद पशुपालकों ने अपनी जान बचाने के लिए तुरंत वहां से भागना शुरू किया। बताया गया है कि इस दौरान एक पशुपालक को चोट भी आई है, हालांकि उसकी हालत खतरे से बाहर है। तार गिरने के बाद इलाके में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया।

दिल्ली में गैस सिलेंडर संकट से हाहाकार, 700 रुपये 'दिहाड़ी' पर लाइन में लगने से हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में रसोई गैस की किल्लत ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। हाल के दिनों में गैस एजेंसियों और गोदामों में लंबी कतारों की तस्वीरें सामने आई हैं। शास्त्री पार्क और न्यू सीलमपुर के गोदामों में स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि लोग बुकिंग करने के बजाय खुद सिलेंडर लेने और कतार में खड़े रहने को मजबूर हैं। गोदामों में सुबह पांच-छह बजे से ही लाइनें लगना शुरू हो जाती हैं, जबकि एजेंसियां आधिकारिक तौर पर 9:30 बजे खुलती हैं। सिलेंडर स्टॉक कम होने और अचानक बढ़ी बुकिंग के कारण लोगों में अफरा-तफरी फैल गई है। कई लोग खाली सिलेंडर लेकर सीधे गोदाम पहुंचे और वहां लंबी कतार में खड़े होकर सिलेंडर लेने लगे। गोदाम पर एक मामले ने माहौल और गर्म कर दिया। एक शख्स ने अपने साथी को लाइन में खड़ा करने के लिए 700 रुपये की दिहाड़ी दी। उसने कहा कि वह रोजा रखे है इस कारण उसने अपने लिए लाइन में दूसरे को पैसा देकर खड़ा किया है। इससे आसपास खड़े लोग चौंक गए, लेकिन कई ने इसे व्यवस्था का एक उपाय माना। लोगों की नाराजगी और मुश्किलों की एक वजह डिलीवरी बॉय की भी है। एक डिलीवरी बॉय ने मीडिया को बताया कि बिगड़े हालात में घर-घर सिलेंडर पहुंचाना जोखिम भरा हो गया है। हाल ही में बवाना रोड पर सिलेंडर ले जाने वाले डिलीवरी बॉय को बीच रास्ते में रोककर उससे जबरन सिलेंडर लूट लिया गया और 1000 रुपये फेंककर भाग गए।

मोदी सरकार वांगचुक के परिवार और लद्दाख के लोगों से मांगे माफी

-कांग्रेस ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द होने पर कहा- केंद्र सरकार हुई बेनकाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत की गई गिरफ्तारी को रद्द करने के फैसले पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने इसे सरकार का 'यू-टर्न' बताते हुए कहा कि सरकार को वांगचुक से ही नहीं, बल्कि लद्दाख के लोगों से भी माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने वांगचुक मामले को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी की है। इसमें उन्होंने कहा, कि छह महीने पहले पूरी तरह से फर्जी आधार पर की गई गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस ने उस समय भी कड़ी आपत्ति जताई थी। अब सरकार द्वारा हिरासत रद्द किए जाने से यह साफ हो गया है कि उनका फैसला गलत था।

यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने शनिवार को घोषणा की, कि उसने सोनम वांगचुक की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत की गई हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। वांगचुक को लगभग छह महीने पहले लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद एनएसए लगाकर गिरफ्तार किया गया था। इन प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कड़ी कार्रवाई की थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर की गई पोस्ट में कहा, कि मोदी सरकार का यह फैसला उसके पहले के रुख से पूरी तरह अलग है। उन्होंने लिखा कि सरकार अब पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और उसे अपनी गलती स्वीकार करते हुए सोनम वांगचुक तथा उनके परिवार से माफी मांगनी चाहिए। इसी के साथ ही उन्होंने यह भी मांग की कि उन सभी लोगों को तुरंत रिहा किया जाए जिन्हें शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करने के कारण हिरासत में लिया गया था। कांग्रेस नेता का कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है और सरकार को इसका सम्मान करना चाहिए। कांग्रेस ने इस पूरे प्रकरण को लेकर केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

इजराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध की असली कीमत दुनिया भर के आम लोग चुकाएंगे

-कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने किया विश्लेषण-युद्ध क्रूर, निरर्थक और मूर्खतापूर्ण होता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के वैश्विक प्रभावों पर चिंता जताते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा है कि इस युद्ध की असली कीमत दुनिया भर के आम लोग चुकाएंगे। उन्होंने अपने विश्लेषण में लिखा कि 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दो सप्ताह के अंदर ईरान को भारी तबाही का सामना करना पड़ा है, लेकिन वह पराजित नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट में चिदंबरम के मुताबिक युद्ध के शुरुआती चरण में ही ईरान के शीर्ष नेतृत्व को बड़ा नुकसान हुआ, हालांकि इसके बाद देश ने तेजी से नया राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व स्थापित कर लिया। इस बीच अली खामेनेई समेत शीर्ष नेतृत्व पर हमलों के बाद भी संघर्ष जारी है। ईरान की राजधानी तेहरान समेत सनंदाज और इस्फहान जैसे शहरों पर भारी बमबारी की गई, जिसमें हजारों लोग मारे गए या घायल हुए हैं। एक अमेरिकी टॉमहॉक मिसाइल के स्कूल पर हमले से बड़ी संख्या में छात्राओं और शिक्षकों की मौत की हुई है।

उन्होंने कहा कि युद्ध में केवल सैन्य ठिकानों को ही नहीं, बल्कि नागरिक ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। मिसाइल प्रक्षेपण ठिकानें, सैन्य अड्डे, नौसेना की संपत्तियों और हवाई सुरक्षा प्रणाली के साथ-साथ घरों, स्कूलों, अस्पतालों और तेल भंडारण केंद्रों को भी निशाना बनाया गया है। इसके अलावा जल आपूर्ति प्रणाली, विलवणीकरण संयंत्र और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

चिदंबरम के मुताबिक युद्ध की पृष्ठभूमि में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने आरोप लगाया था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंच गया है, हालांकि इस दावे को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने पूछा कि क्या अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम की स्वतंत्र जांच करवाई थी। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया की राजनीति में इजराइल की भूमिका और क्षेत्रीय संघर्षों का लंबा इतिहास रहा है। भारत ने 1950 में इजराइल को मान्यता दी थी और 1992 में दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे, जिसके बाद व्यापार और रक्षा सहयोग में तेजी आई।

चिदंबरम के मुताबिक इस युद्ध का सबसे बड़ा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच चुकी है, इसका असर भारत समेत कई देशों में एलपीजी और ईंधन की कीमतों पर दिखाई दे रहा है। साथ ही वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और महंगाई बढ़ने का खतरा भी गहरा गया है। उन्होंने कहा कि युद्ध हमेशा क्रूर और विनाशकारी होता है। मशहूर अमेरिकी सैन्य अधिकारी का हवाला देते हुए चिदंबरम ने कहा कि युद्ध अक्सर क्रूर, निरर्थक और मूर्खतापूर्ण होता है। चिदंबरम ने चेतावनी दी कि यदि संघर्ष लंबा चला तो इसके राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय परिणाम और भी गंभीर हो सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से मिली राहत, राजस्थान और बिहार समेत कई राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में रविवार सुबह हुई अचानक बारिश ने भीषण गर्मी के बीच लोगों को बड़ी राहत दी है। दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के कई हिस्सों में बादल छाए रहने और बूंदाबांदी से तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने राजधानी के लिए येलो अलर्ट जारी करते हुए रविवार को दिन भर हल्की बारिश और 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान जताया है। इस बदलाव से गर्मी के बढ़ते ग्राफ पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, यह बदलाव पश्चिमी हिमालय की ओर बढ़ रहे एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ के कारण आया है। इसके प्रभाव से मध्य पाकिस्तान और उससे सटे पंजाब व हरियाणा के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र विकसित हुआ है। इसे इस सीजन की पहली प्री-मानसून बारिश माना जा रहा है, जो सामान्य समय से लगभग 10 दिन पहले आई है। पिछले कुछ दिनों से बढ़ रहे उच्च तापमान और इस विक्षोभ के मिलन से आंधी-तूफान की स्थिति बनी है, जिससे अगले दो दिनों तक दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

अहमदाबाद विमान हादसाः अमेरिकी सुरक्षा संगठन ने जांचकर्ताओं पर लगाए दस्तावेज छिपाने के आरोप

अहमदाबाद (एजेंसी)। जून 2025 में हुए भीषण अहमदाबाद विमान हादसे की जांच एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। अमेरिका के एक प्रमुख हवाई सुरक्षा संगठन, एविएशन सेफ्टी फाउंडेशन ने सनसनीखेज दावा किया है कि इस दुर्घटना से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जांच अधिकारियों को सौंपे ही नहीं गए थे। संगठन का कहना है कि इन तथ्यों के अभाव में की गई जांच की विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े होते हैं।

पियरसन ने विशेष रूप से बोइंग 787 ड्रीमलाइनर (रजिस्ट्रेशन वीटी-एएनबी) का जिक्र करते हुए कहा कि उपलब्ध दस्तावेजों से पता चलता है कि इस विमान के इलेक्ट्रिक सिस्टम में काफी समय से गंभीर खराबी चल रही थी। उनके अनुसार, दुर्घटना का शिकार होने से पहले इस विमान में बार-बार शॉर्ट सर्किट होने, धुआं निकलने और वायरिंग में दिक्कतों की शिकायतें दर्ज की गई थीं। दावे के मुताबिक,

विमान को उसके परिचालन के दौरान कई बार इलेक्ट्रिक फाल्ट की वजह से आपातकालीन स्थिति में उतारा भी जा चुका था। पियरसन ने यह भी खुलासा किया कि विमान का पी100 पावर पैनल कई बार बदला गया था, जो कि एक असामान्य बात है। उन्होंने तकनीकी पक्ष रखते हुए बताया कि विमान के बाएं इंजन से बिजली की आपूर्ति होती थी और इस पूरे सिस्टम को तत्काल डिजाइन मोडिफिकेशन और सॉफ्टवेयर प्रोटेक्शन की जरूरत थी, जिसे नजरअंदाज किया गया। अमेरिकी विशेषज्ञ ने जांच प्रक्रिया की आलोचना करते हुए कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने घटना से नौ महीने पहले तक सुधार के लिए कोई ठोस सिफारिश नहीं की थी। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि जांचकर्ताओं ने पूरे मामले को एक खास दिशा में मोड़ दिया और ऐसा नैरेटिव (विमर्श) तैयार किया जिससे हादसे की पूरी जिम्मेदारी तकनीकी खामी के बजाय पायलटों पर डाल दी गई। इन नए खुलासों के बाद अब विमानन क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और हादसे की निष्पक्ष जांच की मांग फिर से तेज होने लगी है। बता दें कि जून 2025 में हुए इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 260 लोगों की जान चली गई थी। अब इस मामले में नया मोड़ देते हुए एविएशन सेफ्टी फाउंडेशन के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर ईडी पियरसन ने जांचकर्ताओं को एक ईमेल भेजा है। पियरसन का दावा है कि उनके हाथ कुछ ऐसे गुप्त दस्तावेज लगे हैं, जो स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि विमान दुर्घटना का असली कारण इलेक्ट्रिक फेल्योर (बिजली की विफलता) था।

विपक्ष की मांगः पश्चिम एशिया संकट पर संसद में हो सकती है चर्चा, अभी तक केंद्र की थी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उसके भारत पर संभावित प्रभाव को लेकर संसद में बहस की मांग तेज हो गई है। विपक्ष ने दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की है। वहीं सरकार ने इस मांग पर विचार करने की बात कही है। शनिवार को सत्ता प्रतिष्ठान में इस पर मंथन हुआ। उम्मीद है कि संसदीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से सोमवार को लोकसभा स्पीकर को इस बात की आधिकारिक सूचना दे दी जाएगी। उसके बाद बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में दिन, समय निश्चित किया जाएगा। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारत की अर्थव्यवस्था और वहां रहने वाले लोगों के जीवन पर भी पड़ सकता है। इसलिए इस विषय पर संसद में विस्तृत चर्चा की मांग विपक्ष के पुरजोर तरीके से रखी थी। सरकार की ओर से फिलहाल तक इस विषय को लेकर चुप्पी है। विपक्ष के एक नेता ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष ने सुझाव दिया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर नियम 193 के तहत अल्पकालिक चर्चा कराई जा सकती है, जिसके माध्यम से सांसद तत्काल और महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रख सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक सरकार ने विपक्ष को यह भी बताया कि वह कुछ मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा के लिए तैयार है। इनमें रेल मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय शामिल है। राज्यसभा में पहले ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा हो चुकी है। सरकार ने संकेत दिया है कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा खेल मंत्रालय के कामकाज पर भी चर्चा कराई जा सकती है। कुल मिलाकर संसद के आगामी सत्र में पश्चिम एशिया की स्थिति, मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा और लंबित विधेयकों को पारित कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे केंद्र में रहने वाले हैं। विपक्ष जहां सरकार को जवाबदेह बनाने की कोशिश कर रहा है, वहीं सरकार विधायी कार्यों को समय पर पूरा कराने पर जोर दे रही है।

तेल, गैस के बाद अब भारत की इंटरनेट व्यवस्था को चोट पहुंच सकता हैं मिडिल ईस्ट में जारी तनाव

-समुद्र के नीचे बिछी फाइबर-ऑप्टिक्स केबल्स को नुकसान होने का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में लगातार बढ़ते तनाव के बीच में एक नया खतरा सामने दिख रहा है, जिसका बहुत बड़ा असर भारत पर पड़ सकता है। दरअसल, तनाव का असर दुनिया की इंटरनेट व्यवस्था को भी पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज इलाके में संघर्ष बढ़ता है, तब उस इलाके के समुद्र के नीचे बिछी फाइबर-ऑप्टिक्स केबल्स को नुकसान पहुंच सकता है। ये वही केबल्स है, जिससे दुनिया का ज्यादातर इंटरनेट डेटा गुजरता है।

बता दें कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है। इस रास्ते से बड़ी मात्रा में तेल गुजरता है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि समुद्र की सतह के नीचे यहां से कई महत्वपूर्ण इंटरनेट केबल्स भी गुजरती है। ये केबल्स एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप को डिजिटल रूप से जोड़ती है। एक के अनुसार भारत से यूरोप को जोड़ने वाली कई बड़ी केबल्स इसी क्षेत्र से होकर गुजरती है। इसलिए यह इलाका भारत के लिए भी डिजिटल कनेक्टिविटी का बेहद अहम कॉरिडोर माना जाता है।

इंटरनेट कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने के लिए दुनिया की बड़ी टेक कंपनियां और टेलीकॉम ऑपरेटर लगातार नए अंडरसी केबल नेटवर्क में निवेश कर रहे हैं। हाल ही में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने नई दिल्ली की यात्रा के दौरान इंडिया-अमेरिका कनेक्ट प्रोजेक्ट की घोषणा की। इसका मकसद भारत को वैश्विक डिजिटल नेटवर्क से और मजबूत तरीके से जोड़ना है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत का लगभग एक-तिहाई पश्चिम दिशा की इंटरनेट ट्रैफिक इन्हीं केबल्स के जरिए गुजरती है। इसका मतलब अगर इस क्षेत्र में कोई बड़ी रुकावट आती है, तब भारत और यूरोप के बीच डेटा ट्रांसमिशन प्रभावित हो सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक इंटरनेट नेटवर्क में बैकअप सिस्टम भी मौजूद है।

इस पूरे मामले से जुड़े एक जानकार ने कहा, समुद्री केबल्स में रेडंडेंसी होती है। अगर एक केबल कट भी जाए, तब डेटा दूसरे रास्तों से भेजा जा सकता है, लेकिन अगर कई केबल्स एक साथ प्रभावित हो जाएं, तब बाकी रूट्स पर ज्यादा लोड पड़ जाएगा। इसके बाद इंटरनेट की स्पीड स्लो हो सकती है और सर्विस में दिक्कतें आ सकती है।

उन्होंने कहा कि इसका असर तुरंत दिखाई नहीं देगा। दुनिया भर में इंटरनेट सर्वर रिजर्व में रखे जाते है। भारत के पास भी इसतरह के सिस्टम है। इस कारण कम से कम एक हफ्ते तक बड़ा असर देखने को नहीं मिलेगा। इसके अलावा अटलांटिक महासागर से आने वाले केबल्स भी विकल्प के रूप में मौजूद है।

एक अन्य जानकार ने कहा कि, अभी तक इंटरनेट कनेक्टिविटी पर कोई असर नहीं पड़ा है, लेकिन अगर केबल्स काट दी गईं या टेलीकॉम और पावर इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला हुआ, तब स्थिति गंभीर हो सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक भारत का अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट ट्रैफिक मुख्य रूप से दो बड़े गेटवे से बाहर जाता है। एक मुंबई में और दूसरा चेन्नई में। मुंबई के रास्ते जाने वाला डेटा अरब सागर और खाड़ी क्षेत्र से होकर यूरोप तक पहुंचता है, इसलिए इस इलाके में किसी भी तरह की गड़बड़ी भारत के डिजिटल नेटवर्क को प्रभावित कर सकती है।

साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ ने बताया कि दुनिया का इंटरनेट सैटेलाइट्स से नहीं बल्कि समुद्र के नीचे बिछी केबल्स से चलता है। उन्होंने कहा, दुनिया के 99 प्रतिशत से ज्यादा डेटा अंडरसी फाइबर-

ऑप्टिक केबल्स से गुजरता है। यही डिजिटल अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ है। साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ के मुताबिक रेड सी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास का इलाका आज दुनिया का अहम डिजिटल हाईवे बन चुका है। अगर यहां कोई रुकावट आती है, तब इंटरनेट सर्विसेज स्लो हो सकती है और ग्लोबल कनेक्टिविटी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि युद्ध की स्थिति में ये केबल्स बेहद असुरक्षित हो जाती है। उनके मुताबिक, अब दुनिया एक नए सीबेड इंफ्रास्ट्रक्चर वॉर की तरफ बढ़ रही है। जैसे तेल पाइपलाइन और समुद्री रास्ते रणनीतिक संपत्ति माने जाते है, वैसे ही अब इंटरनेट केबल्स भी वैश्विक शक्ति संतुलन का अहम हिस्सा बन गए हैं।

'छाप तिलक' दिल के करीब

अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की अपकमिंग फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' का पहला गाना 'छाप तिलक' रिलीज हो चुका है। यह गाना रिलीज होते ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। मेधा शंकर ने कहा कि यह गाना उनके दिल के बहुत करीब है और इसकी एनर्जी बेहद खास है। गाने में पारंपरिक भावना और मॉडर्न बीट्स का मेल है। फिल्म के पोस्टर लॉन्च के बाद मेकर्स ने इस हाई-एनर्जी ट्रैक को सोनी म्यूजिक के जरिए सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध कराया है। गाने में अविनाश तिवारी और मेधा शंकर की जोड़ी की जबरदस्त केमिस्ट्री दिखाई देती है। साथ ही रैपर पैराडॉक्स की एंट्री गाने में आधुनिक टच जोड़ती है। तीनों की एनर्जी और मजेदार हुक स्टेप हैं। मेधा शंकर ने गाने की रिलीज पर खुशी जताते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि अब सब 'छाप तिलक' सुन पाएंगे। फिल्म का पहला गाना होने से इसकी एनर्जी बहुत खास है। यह मेरे दिल के करीब है और मैं खुद भी इस पर बार-बार थिरक रही हूं। हीर और अमान नूर ने इसे शानदार बनाया है। पैराडॉक्स के रैप ने और खास कर दिया। मुझे पूरा यकीन है कि यह इस सीजन का बड़ा डांस ट्रैक बनेगा।

अविनाश तिवारी ने कहा, 'फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में संगीत बहुत महत्वपूर्ण होता है। 'छाप तिलक' हमारे लिए वही काम करता है। उम्मीद है कि यह लोगों की प्लेलिस्ट में जगह बनाएगा, जैसे मेरी प्लेलिस्ट में बना चुका है। सुनते ही खुद को नाचने से रोकना मुश्किल होगा।' यह गाना अमीर खुसरो के क्लासिक 'छाप तिलक सब छीनी' पर आधारित है, जिसे सिंगर-कंपोजर हीर ने गाया है। यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है। अमान नूर ने कंपोजिशन और बोल लिखे हैं, जबकि पैराडॉक्स ने रैप से नया रंग भरा है। हीर ने कहा, 'हमने कोशिश की कि गाने में आत्मा भी रहे और डांस फ्लोर की एनर्जी भी। अमान के साथ काम और पैराडॉक्स का रैप इसे शानदार बना देता है।'

पति को मेरे सेट पर आना बोरिंग लगता है, वो और मैं काम के लिए एक-दूसरे की इजाजत नहीं लेते

तापसी पन्नू ने अपने करियर की शुरुआत भले साउथ की फिल्मों से की मगर बहुत जल्द ही बेबी और पिंक जैसी फिल्में करके उन्होंने जता दिया कि सिनेमा को लेकर उनकी चॉइस अर्थपूर्ण है। आगे चलकर उन्होंने नाम शबाना, सांड की आंख, मनमर्जियां, थप्पड़ जैसी कई फिल्मों में महिला मुद्दों को मुखर किया।

आपने अपने सिनेमा के जरिए लड़कियों के कन्सेंट, वुमन एम्पावरमेंट, घरेलू हिंसा और बलात्कार जैसे कई मुद्दों को छुआ है, अब ऐसा कौन-सा मुद्दा है, जिसे आप अपनी फिल्मों के जरिए दर्शकों तक पहुंचाना चाहती हैं?

ईमानदारी से कहूं तो ऐसा कोई खास मुद्दा मेरे जहन में फिलहाल है नहीं। मेरे पास दो -तीन स्क्रिप्ट हैं, जो किसी धारणा को डायरेक्टली और किसी को इनडायरेक्टली इंगित करती हैं। हमेशा से कहानियों एक नाता सीख से रहा है। बचपन से यही सीखा है, तो तो मेरी एंटरटेनमेंट से भी यही अपेक्षा होती है। हालांकि कई बार सिनेमा महज मनोरंजन के लिए भी बनाया जाता है और मुझे लगता है, वो भी देखा जाना चाहिए। मैं उम्मीद करती हूं कि अस्सी चल जाए और मैं अपने मिजाज का सिनेमा बना सकूं।

आपने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि बॉलिवुड में हीरोइन्स आसानी से रीप्लेस हो जाती हैं?

जी हां बिलकुल हो जाती हैं। मुझे लगता है हीरोइन ही क्यों? कोई भी कलाकार रिप्लेस किया जा सकता है। हमें कभी भी खुद को इतना बड़ा नहीं मानना चाहिए कि हम रिप्लेस नहीं हो सकते। आसानी और मुश्किल का जो भेद है, उसे बनाए रखना चाहिए। आपने अगर अपनी मजबूत जगह बना ली है, तो आपको हिलाना मुश्किल हो सकता है, वो हम एक्टर्स के हाथ में होता है कि हम किस रंग के कलाकारों के साथ खड़े होते हैं, हम किन चरित्रों के लिए जाने जाते हैं।

एक निर्माता बनने पर आपने किन चुनौतियों का सामना किया है?

मैंने कई चुनौतियों का सामना किया है और अभी भी कर रही हूं। ऐसा होता है न कि आपके पास ये कहानी है, तो कोई बड़ा नाम लेकर आइए। बड़े नाम के साथ बड़े खर्चे भी आते हैं, मगर जिस तरह की फिल्में मैं चुनती हूं, उतना उन्हें मिलता नहीं है। इतना बड़ा स्टार इस फिल्म में क्यों आएगा? क्योंकि इसकी तो छोटे बजट की फिल्म है तो सब उन्हीं कलाकारों को सूट करती है, जिनसे आप बड़े स्टार वाली उम्मीदें लेकर नहीं घुसते।

आपके पति (अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बो) एक अलग क्षेत्र से हैं, आप लोग एक -दूसरे के प्रोफेशन में कितनी रुचि लेते हैं?

हम जब इंसान के रूप में एक -दूसरे में रुचि लेते हैं, तो हमारा प्रोफेशन तो हमारी जिंदगी का हिस्सा है, तो हम उसमें भी इंटरेस्ट लेते हैं, मगर इतनी भी नहीं कि हम दिन-रात उसी की चर्चा करें। मैं उनके मैच देखती हूं, मुझे जानकारी होती है कि वे किसे कोच कर रहे हैं। अब वो फुलटाइम प्लेयर नहीं हैं। वे कई बार मेरे साथ आउटडोर लोकेशन पर होते हैं, हालांकि वो सेट पर कभी नहीं आते। उन्हें सेट पर आना बहुत बोरिंग लगता है, मगर मेरे साथ समय बिताने के लिए वे मेरे साथ होते हैं। हम दोनों का एक बेहद अच्छा तरीका है, एक-दूसरे के साथ ग्रो करने का। हमें अपने प्रोफेशन को लेकर एक-दूसरे से परमिशन नहीं मांगनी होती। अपने काम के फैसले हमारे अपने होते हैं, मगर अहम उन फैसलों का साथ देते हैं। अच्छा ही है कि हम एक ही क्षेत्र से नहीं हैं।

अदिवि शेष-मृणाल की फिल्म 'डकैत' की बदली रिलीज डेट

फिल्म 'धुरंधर 2' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार आगामी 19 मार्च को पूरा हो रहा है। इसी दिन पहले अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की 'डकैत' भी रिलीज होने वाली थी। मगर, अब ऐसा नहीं होगा। सिनेमाघरों में 'धुरंधर 2' और 'डकैत' की भिड़ंत नहीं होगी। 'डकैत' के मेकर्स ने रिलीज से हफ्तेभर पहले तारीख बदल दी है। जानिए अब 'डकैत' कब दस्तक देगी?

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'डकैत' के लिए दर्शकों को अभी और इंतजार करना होगा। इसकी रिलीज डेट अगले महीने यानी अप्रैल में खिसका दी गई है। यह फिल्म अब 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अब बॉक्स ऑफिस पर नहीं होगा महाक्लेश

फिल्म 'डकैत' से पहले यश अभिनीत 'टॉक्सिक' की रिलीज डेट में भी बदलाव किया गया है। पहले 'टॉक्सिक' भी 'धुरंधर 2' के साथ ही 19 मार्च को सिनेमाघरों में सजने वाली थी। मगर, 'टॉक्सिक' अब जून 2026 तक आगे बढ़ गई है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी रणवीर सिंह अभिनीत 'धुरंधर 2' से 'टॉक्सिक' और 'डकैत' के बॉक्स ऑफिस क्लैश पर दर्शकों की निगाह टिकी थी। मगर, अब वह टकराव नहीं होगा।

अनुराग कश्यप भी होंगे फिल्म का हिस्सा

मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव का आधिकारिक एलान किया। यह फिल्म अब 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में आएगी। एक्टर अदिवी सेश ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह जानकारी साझा की है। नई तारीख अनाउंस करते हुए अदिवि ने लिखा, 'गोलीफिकेशन 10 अप्रैल को। दुनिया भर के थिएटर्स में'। फिल्म में अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर लीड रोल में हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की राइटिंग पर भी काम किया है। इस फिल्म में फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी अहम रोल में होंगे।

एक्टिंग से ब्रेक लेंगे वरुण धवन, परिवार को समय देंगे

फिल्म 'बॉर्डर 2' में वरुण धवन की एक्टिंग को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब एक्टर की अगली फिल्म भी जल्द रिलीज होने वाली है। मगर इससे पहले ही वरुण एक लंबे ब्रेक पर जा सकते हैं। साथ ही उन्होंने यह तैयारी भी कर ली है कि वो इन फुरसत के पलों को कैसे बिताएंगे? इस साल वरुण धवन की कई फिल्में रिलीज हुई हैं। साल के शुरुआत में रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' में एक्टर को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद से ही उन्हें फैंस का खूब प्यार मिल रहा है। इसी बीच फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वरुण जल्द ही एक्टिंग से लंबा ब्रेक लेने वाले हैं। इसके लिए उन्होंने काफी कुछ सोच रखा है। रिपोर्ट के मुताबिक वरुण पहले 'बॉर्डर 2' की शूटिंग और फिर प्रमोशन में काफी व्यस्त थे। अब वो अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। एक्टर अपनी बेटी लारा के साथ रहना चाहते हैं। इसके चलते ही वो कुछ वक्त के लिए काम से दूरी बना सकते हैं। इस दौरान वह पूरी तरह से अपनी बेटी और परिवार को समय देंगे।

'ओह माय गॉड 3' का हिस्सा नहीं होंगी रानी मुखर्जी

अक्षय कुमार 'ओह माय गॉड' की फ्रैंचाइजी में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। 'ओह माय गॉड 2 के बाद अब तीसरी फिल्म की नई कहानी तैयार हो रही है। यह फिल्म हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित होगी। अक्षय कुमार फिर से डायरेक्टर अमित राय के साथ काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 के बीच में शुरू होने की उम्मीद है। इसका अस्थायी नाम 'ओह माय गॉडेस' बताया जा रहा है। पहले रानी मुखर्जी के बारे में खबरें आई थीं कि वे इस फिल्म में मुख्य महिला भूमिका निभाएंगी।

कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि रानी को ऑफर मिला था, उन्होंने कहानी सुनी और इच्छुक भी थीं। अक्षय और रानी के बीच अच्छी दोस्ती है, इसलिए दोनों साथ काम करने के लिए उत्साहित थे, लेकिन वैरायटी इंडिया की एक खबर के अनुसार, रानी मुखर्जी ओह माय गॉड 3 का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए फैंस को अक्षय और रानी को साथ देखने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। ओह माय गॉड 3- इस फिल्म में अक्षय कुमार नजर आएंगे, लेकिन अभिनेत्री की तलाश अभी भी जारी है। हाल ही में रानी मुखर्जी 'मर्दानी 3' में नजर आईं। इसमें उन्होंने पुलिस वाली भूमिका निभाई। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगभग 51 करोड़ रुपये की कमाई की। जानकारी के अनुसार, अब रानी अभिनेता शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आ सकती हैं।

....बेटे के जन्म के बाद से सब अच्छा हो रहा है

बनारस से बॉलिवुड में किस्मत आजमाने पहुंचे ऐक्टर विनीत कुमार सिंह को एक लंबा संघर्ष देखना पड़ा, लेकिन अब आखिरकार उनकी प्रतिभा की कद्र होने लगी है। बीते साल उन्हें छावा, सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और जैसी फिल्मों और वेब सीरीज रंगीन में उम्दा अदाकारी के लिए खूब सराहा गया। वहीं, इस साल की शुरुआत में भी वह वेब सीरीज हैलो बच्चों में चर्चित फिजिक्स टीचर अलख पांडे की लीड भूमिका में नजर आने वाले हैं। विनीत इस अच्छे वक्त का श्रेय अपने सात महीने के बेटे को भी देते हैं।

पिछले साल पिता बनने के सुख का अनुभव करने वाले विनीत कहते हैं, 'मेरे बेटे का जन्म 24 जुलाई को हुआ और 25 जुलाई को मेरा शो (रंगीन) रिलीज हुआ तो कमाल ही है। पिछले साल मेरी 8 फिल्में/सीरीज रिलीज थीं तो मैंने सुना था कि बच्चे भाग्य लेकर आते हैं, अब खुद अनुभव कर रहा हूं। प्रभु करें ऐसा ही चलता रहे। बाकी, अच्छा लगता है। हालांकि, हाल ही में मुझे शॉक लगा, क्योंकि मैं राजस्थान में शूट कर रहा था। जब गया था तो दाढ़ी थी, आया तो दाढ़ी नहीं है और वह मेरी गोद में ही नहीं आ रहा था। तब मैंने अपनी आवाज से उसे खुद को पहचनवाने की कोशिश की।'

पैदा होते ही शिक्षा का साथ हो गया था

विनीत की सीरीज 'हैलो बच्चों' शिक्षा पर आधारित है। खुद ग्रेजुएशन टॉपर और डॉक्टरी की पढ़ाई करने वाले विनीत ने शिक्षा की अहमियत कब समझी? इस पर वह हंसते हुए कहते हैं, 'जब धरती पर आया, तभी समझ गया था, क्योंकि जब मेरे पिता जी ने मुझे अपनी गोद में लिया तो मैं एक गणितज्ञ की गोद में था।' वह आगे कहते हैं, 'मैंने बेशक यूनिवर्सिटी में टॉप किया था पर मुझे बनना हमेशा से ऐक्टर था।'

डॉक्टर सुनकर लोग सोचते लड़का भटक गया है

एक वक्त था, जब विनीत कुमार सिंह का डॉक्टर होना ऐक्टिंग की राह में रोड़ा भी बना। इंडस्ट्री वालों को लगता था ये पढ़ा-लिखा आदमी कहां ऐक्टिंग में आ रहा है। इसलिए वह अपनी डॉक्टरी की बात छिपाने भी लगे थे। इस बारे में वह बताते हैं, 'असल में जब मैं इस शहर में आया था, तब किसी को जानता नहीं था। एक भी इंसान ऐसा नहीं था, जो फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहा हो, जिसे मैं जानता था। मेरे सारे दोस्त डॉक्टर, इंजीनियर या खिलाड़ी थे तो जब कोई पूछता था कि क्या किया है और मैं उन्हें बताता था कि मेडिकल कॉलेज में हूं, पढ़ रहा हूं, तो उन्हें हैरत होती कि डॉक्टर हो?

टीचर के ऊपर दो सीरीज बनी

मशहूर फिजिक्स टीचर अलख पांडे और उनकी कोचिंग फिजिक्स वाला पर पहले भी एक सीरीज बन चुकी है। ऐसे में, उस पर दूसरी सीरीज को लेकर विनीत का कहना है, 'यह बड़ी अच्छी बात है कि एक टीचर के ऊपर दो तरीके से हम कुछ बना रहे हैं और उसे लोगों तक पहुंचा रहे हैं। इसके लिए, मेकर्स को सराहना चाहिए, क्योंकि हमने बहुत सारी लव स्टोरी देखी हैं। अंडरवर्ल्ड की कहानियां देखी हैं। बहुत सारे कॉप की कहानियां देखी हैं लेकिन टीचर जो राष्ट्र का भविष्य तय करता है, जो बुनियाद बनाता है, उस पर कितनी कहानियां बनती हैं। यह बहुत खुशी की बात है कि एक टीचर के ऊपर दो कहानियां बनी हैं।'

ओटीटी ने सभी को खूब काम दिया

विनीत बड़े पर्दे और ओटीटी पर समान रूप से सक्रिय हैं। क्या उन्हें लगता है कि ओटीटी की लोकप्रियता से थिएटर में दर्शकों की संख्या घटी है? इस पर उन्होंने कहा, 'देखिए, ऊपर नीचे होता रहता है। वो कहते हैं ना, 'उत्थान पतन के झूले पर संसार झुलाया जाता है।' ग्राफ तभी बनता है और उसी से हम सीखते हैं। कुछ नया अडाप्ट करते हैं, नया खोजते हैं, यही जिंदगी है। बेशक मैंने पहली बार फिल्म बड़े पर्दे पर देखी थी। उसका अपना एक इश्क है और वो रहेगा, पर ओटीटी की बात करूं तो फिल्म इंडस्ट्री के मेरे बहुत सारे दोस्त, जिसमें ऐक्टर, डायरेक्टर, डीओपी, राइटर हर विभाग के टेक्निशियन हैं, जो अच्छे थे, मगर पहले कई महीने खाली रहते थे, आज ओटीटी की वजह से सब इतने व्यस्त हैं कि उनके पास डेट नहीं है और यह सुनकर बहुत अच्छा लगता है। ओटीटी पर किसी का भी काम हो, सब तक पहुंचता है। यहां बहुत सारे प्रयोग हो रहे हैं। हम अलग-अलग तरह की कहानियां कह पा रहे हैं, जो बहुत अच्छी बात है।'

स्वत्वाधिकारी 'बात हिन्दुस्तान की' (पाक्षिक) पेपर के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी, गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन नं.: 8902221434 से प्रकाशित एवं एल.एस पब्लिकेशन्स प्रा. लि.4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता -700015 से मुदित, सम्पादक- वैद्यनाथ झा, फोन-9798848926 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट - www.baathindustanki@gmail.com
(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan ki' Smt. Soni Kumari Jha, 223, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO_R.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from L.S. publication private limited.4 no, canel west road, Kolkata 700015, Editor: Baidyanath Jha Mo. 9798848926, Email/Website: www.baathindustanki@gmail.com